



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	घ	घ	घ	<p>संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● अच्छे श्रोता के रूप में।</li> <li>● वक्ता का मन हल्का होता है।</li> <li>● आत्मीयता प्रकट होती है।</li> </ul> <p>( कोई दो बिंदु अपेक्षित।)</p>	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● धैर्यवान होना।</li> <li>● मन से जुड़ना।</li> <li>● दूसरों के अनुभवों का लाभ मिलना।</li> <li>● आत्मीयता।</li> </ul> <p>( कोई दो बिंदु अपेक्षित।)</p>	1+1=2
	च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अधीरता।</li> <li>● बीच में बात काटना।</li> <li>● समाधान सुझाने का उतावलापन।</li> <li>● सजगता का अभाव।</li> </ul> <p>( कोई दो बिंदु अपेक्षित।)</p>	1+1=2
	छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● दुख-दर्द को सार्वजनिक करने का लाभ नहीं होता।</li> <li>● दूसरे की समस्या सुन कर लोग हँसते हैं।</li> <li>● दूसरे की परेशानी सुन कर मजाक बनाते हैं, उसे कम नहीं करते।</li> </ul>	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
2.	ज	ज	ज	( कोई दो बिंदु अपेक्षित। )	1+1=2
				<ul style="list-style-type: none"> <li>संवाद की अनन्त संभावनाओं को समझाने के लिए।</li> <li>प्रकृति एवं पशु-पक्षियों से भी संवाद संभव।</li> </ul>	2
	क	क	क	अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर—	1x5=5
				<ul style="list-style-type: none"> <li>झील।</li> <li>जल के अभाव में।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>जल से भरी।</li> <li>हरे-भरे, पेड़-पौधों वाले घाटों वाली।</li> <li>पक्षियों के कलरव से गुंजित।</li> <li>स्त्री पुरुषों के आवागमन से गुलजार।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
				( कोई दो बिंदु अपेक्षित। )	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>पानी के अभाव में सूखे पेड़-पौधों के कारण।</li> <li>हरे-भरे पेड़-पौधे न दिख पाने का।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
				<ul style="list-style-type: none"> <li>शहरी-नागरिक व्यापारी।</li> <li>मिट्टी आदि संसाधनों को बेच कर धनार्जन।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
घ	घ	घ			

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ड	ड	ड	<ul style="list-style-type: none"> <li>जल के अभाव में जलाधारित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति न हो पाने के कारण।</li> </ul>	1
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	3.	3.	<p>किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रस्तावना/भूमिका और उपसंहार 1</li> <li>विषय-वस्तु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विवेचन) 3</li> <li>भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति 1</li> </ul>	5
4.	4.	4.	4.	<p>पत्र-लेखन :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1</li> <li>प्रभावी विषय-वस्तु 3</li> <li>भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख 1</li> </ul>	5
5.	5. क	6. क	5. क	<p>संक्षिप्त उत्तर –</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>यथास्थिति का वर्णन।</li> <li>लाइव टेलीकास्ट की सुविधा।</li> <li>तुरन्त एवं रोचक प्रस्तुति।</li> <li>सभी को सुलभता।</li> </ul> <p>(कोई दो बिन्दु अपेक्षित।)</p>	1x5=5  1/2+1/2=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
6.	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संपादकीय लेखन।</li> <li>● समाचारों का संपादन।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● समसामयिक घटनाओं के विश्लेषण द्वारा जन-चेतना लाना।</li> </ul>	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● त्रुटि रहित शुद्ध भाषा।</li> <li>● सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अन्य तीन स्तंभों पर नज़र।</li> <li>● जन सामान्य को जागरूक करना।</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
7.	6.	7.	6.	किसी एक फीचर का लेखन— <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रभावी विषय – वस्तु 2</li> <li>● प्रस्तुति 2</li> <li>● भाषा की शुद्धता 1</li> </ul>	5
7.	7.	5.	7.	किसी एक आलेख का लेखन— <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रभावी विषय – वस्तु 2</li> <li>● प्रस्तुति 2</li> <li>● भाषा की शुद्धता 1</li> </ul>	5
8.	8.	10.	8.	<p style="text-align: center;"><u>खंड – 'ग'</u></p> पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न—	$2 \times 4 = 8$

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अपने प्रिय पात्र (तुम्हें) को भूल जाना।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● दक्षिण ध्रुवी, दीर्घकालीन अंधकार।</li> <li>● जिस प्रकार दक्षिण ध्रुव पर उजाला नहीं होता, वैसे ही कवि के हृदय में प्रिये के भूलने पर अंधकार।</li> </ul>	2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रिय पात्र का प्रेम और सामीप्य।</li> <li>● यह अति निकटता, प्यार का संबंध निरन्तर होने से वह ऊब गया है, उससे मुक्ति चाहता है।</li> <li>● प्रिया से वियुक्त हो कर ही कर्म पथ पर अग्रसर होने की आकांक्षा।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● 'तुम' कवि की प्रिया/प्रेरणा पात्र है।</li> <li>● कविता में प्रेम पात्र से कवि की निकटता।</li> </ul> <p>(प्रेम आदि का उल्लेख होने से अन्य उत्तर भी संभव।)</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p>	2
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बात का निरर्थक होना/प्रभावहीन होना।</li> <li>● मूल भाव एवं सौंदर्य नष्ट होना।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अप्रासंगिक, अनुपयुक्त बात बार-बार करते रहना।</li> <li>● प्रशंसा और वाहवाही पाने के लिए।</li> </ul>	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
9.	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बात की अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा।</li> <li>● भाषा प्रस्तुति में स्पष्टता, सरलता एवं अर्थवत्ता आवश्यक।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रभावहीन हो जाएगी।</li> <li>● अर्थहीन हो जाएगी।</li> </ul>	2
	9.	8.	9.	<b>पठित काव्यांश पर आधारित उत्तर—</b>	2x3=6
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● छंद – सोरठा</li> <li>● अवधी लोक भाषा होने के कारण सुबोधता।</li> <li>● अलंकारिकता।</li> </ul> <p>(भाषा की कोई एक विशेषता)</p>	1+1=2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● लक्ष्मण की मूर्च्छा।</li> <li>● श्री राम का करुण विलाप।</li> <li>● हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने में देरी होना।</li> </ul>	1+1=2
ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● उत्प्रेक्षा अलंकार।</li> <li>● करुण रस में वीर रस की उपस्थिति।</li> <li>● सुन्दर कल्पना।</li> </ul>	1+1=2	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
10.	क	क	क	<p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>साँझ तेजस्विनी श्वेत-नारी रूप में प्रस्तुत।</li> <li>कजरारे बादलों का प्रतिबिम्ब मानवीय प्रतिच्छायाओं का प्रतिबिम्ब।</li> </ul>	1+1=2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>कजरारे, साँझ, हौले-हौले जैसे सरल सुबोध शब्दों का प्रयोग।</li> <li>प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली।</li> <li>प्रतीकात्मकता।</li> </ul> <p>(कोई अन्य उपयुक्त उत्तर भी अपेक्षित।)</p>	1+1=2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>आकाश में काले बादलों का छाया बिंब - दृश्य बिंब।</li> <li>तैरती साँझ का सौन्दर्य - दृश्य बिंब।</li> </ul>	1+1=2
	10.	9.	10.	<p><b>किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर-</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>तुलसीदास ने अपने युग की विषमताओं, गरीबी, बेरोजगारी इत्यादि का वर्णन किया है।</li> <li>किसान, भिक्षुक, नौकर-चाकर, भाट, नट चोर इत्यादि सभी जीविका विहीन।</li> <li>दरिद्रता और बेरोजगारी के कारण समाज में अशांति। पेट की आग बुझाने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर।</li> </ul>	3+3=6
	क	क	क		1+1+1=3



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पहले 'और' में कवि स्वयं को आम व्यक्ति से भिन्न बताता है।</li> <li>● दूसरे 'और' द्वारा वह अपना और विश्व का संबंध प्रतिपादित करता है।</li> <li>● तीसरे 'और' द्वारा कवि अपने स्वभाव से शेष संसार के स्वभाव की भिन्नता प्रकट करता है।</li> </ul>	1+1+1=3
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● राख से लीपा हुआ गीला चौका, काली सिल पर बिखरा लाल केसर।</li> <li>● नीला जल, गोरी युवती की मखमली देह आदि उपमाओं द्वारा गाँव के सूर्योदय के सौंदर्य का जीवंत चित्रण।</li> </ul>	3
11.	11.	11.	11.	पठित गद्यांश पर आधारित उत्तर—	2x4=8
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● महादेवी चाह कर भी उसे नहीं निकाल पातीं, और निकाले जाने का आदेश पा कर भी भक्तिन नहीं जाती थी। दोनों के बीच भावनात्मक संबंध।</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रकाश और अंधकार जीवन का अभिन्न अंग।</li> <li>● प्रकाश अंधकार का संबंध स्वाभाविक है इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं।</li> <li>● भक्तिन और महादेवी भी एक दूसरे के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर पातीं।</li> </ul>	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भक्तिन तर्कपटु है। प्रत्येक कार्य का औचित्य ठहरा देती है।</li> <li>● महादेवी जी अत्यंत उदार, मानवतावादी और सहिष्णु थीं।</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रकाश अंधकार या गुलाब आम का सा भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व।</li> <li>● उसका व्यक्तित्व अपने वास्तविक रूप में महादेवी जी के जीवन को घेरे हुए।</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p>	1+1=2
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सफिया द्वारा सिख बीबी से लाहौरी नमक लाने का वायदा।</li> <li>● लाहौर से नमक लाने या न लाने का द्वंद्व।</li> <li>● कस्टम अफसर द्वारा प्रेम और सम्मानपूर्वक नमक ले जाने की अनुमति।</li> </ul> <p>(कोई दो बिंदु अपेक्षित)</p>	1+1=2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विभाजन के पश्चात भी जन्मभूमि से प्रत्येक व्यक्ति को लगाव होता है।</li> <li>● कस्टम अफसर चाहे पाकिस्तान में रहने लगे। नौकरी करने लगे किंतु दिल से वह आज भी अपना वतन देहली को ही मानते हैं।</li> </ul>	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ग	ग	ग	<p>(किन्हीं दो का विवेचन अपेक्षित)</p> <p>समय बीतने के साथ सब घाव या बुरी स्मृतियाँ धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं –</p> <p>पक्ष–</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• हाँ, वक्त के साथ-साथ भारत-पाकिस्तान की कटु स्मृतियाँ समाप्त हो जाएगी।</li> <li>• व्यक्ति परिस्थितियों से समझौता करके जीवन की नई शुरुआत करता है और कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता।</li> </ul> <p>(अन्य बिंदु भी स्वीकार्य।)</p> <p>विपक्ष–</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• बेशक समय बीत जाता है लेकिन मन के घाव, चोटें, विस्थापन आदि का दर्द या किसी भी प्रकार के नुकसान की क्षति पूर्ति संभव नहीं होती।</li> <li>• समय के साथ-साथ कटुता, दर्द आदि भी बढ़ते जाते हैं और मौका पा कर आतंक, दंगों या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के रूप में उभर जाते हैं।</li> </ul> <p>(पक्ष या विपक्ष में दो तर्क अपेक्षित)</p>	
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>• लेखिका की बात सुन कर कस्टम अधिकारी भावुक हो उठा।</li> </ul>	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
12.	12.			<ul style="list-style-type: none"> <li>● उसके हृदय में देश प्रेम जाग उठा।</li> <li>● भावनाओं के समक्ष राजनीतिक निर्णय कमजोर पड़ जाते हैं।</li> </ul>	2
	क	—	—	<p>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● शिरीष वृक्ष को।</li> <li>● शिरीष तपन और लू के बीच विपरीत परिस्थितियों में भी सरस जीवंत हो कर भी फलता है।</li> <li>● अवधूत जिस प्रकार मस्त, फक्कड़, अनासक्त होते हैं, वैसे ही शिरीष भी अनासक्त भाव से फलता-फूलता है और सुंदरता से सबका मन मोह लेता है।</li> </ul>	3x4=12
	ख	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● परम्परा से श्रम-विभाजन के आधार पर ही जाति-विभाजन।</li> <li>● जाति प्रथा श्रम के साथ श्रमिक विभाजन भी करती है।</li> <li>● अस्वाभाविक विभाजन सभ्य समाज में ऊँच-नीच की भावना आती है।</li> </ul>	3
	ग	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● राजा साहब ने उसे सहारा दिया क्योंकि उसने चाँद नामक पहलवान को हराया और देश के सम्मान की रक्षा की।</li> <li>● राजा की मृत्यु के पश्चात विलायत से लौटे राजकुमार ने पहलवान लुट्टन को दरबार से निकाल दिया।</li> </ul>	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
घ	—	—		<ul style="list-style-type: none"> <li>• उसके पास जीवन यापन का कोई अन्य सहारा नहीं था।</li> <li>• जीजी ने पानी बिखेरने की बात को लेकर कहा था – 'कुछ पाने के लिए कुछ देना पड़ता है।' किसान जब पाँच-छह सेर गेहूँ बोता है तब तीस-चालीस मन गेहूँ उगता है।</li> <li>• मैं इस तर्क से सहमत हूँ। प्रकृति का चक्र इसी आधार पर चलता है। मानव प्रकृति से एक हाथ लेता है और दूसरे हाथ देता है। यदि ऐसा न करे तो अव्यवस्था उत्पन्न हो जाए।</li> <li>• सहमत नहीं। आज के वैज्ञानिक युग में यह सब अंधविश्वास और ढकोसला है।</li> </ul> <p>(परीक्षार्थी के विचार सहमति/असहमति अथवा दोनों पहलुओं की समीक्षा के हो सकते हैं।)</p>	3
ङ	—	—		<p>पैसे की व्यंग्य-शक्ति का तात्पर्य है—</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• अनावश्यक खरीदारी जिसका उद्देश्य केवल दिखावा और दंभ प्रकट करना हो।</li> <li>• आवश्यकता से अधिक खरीदारी</li> <li>• जिससे कि दिखावा किया जा सके और दूसरों को प्रभावित किया जा सके।</li> <li>• अपने धनवान और समर्थ होने का झूठा दिखावा।</li> </ul>	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन		
	2/1/	2/2/	2/3/				
—	—	12.	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>जीवन में भौतिक आवश्यकताओं को सीमित रखने की।</li> <li>संतुष्ट रहने की।</li> <li>बाजार के आकर्षण से मुक्त/निस्पृह रहने की।</li> </ul>	3		
—	—	क	—				
—	—	ख	—			<ul style="list-style-type: none"> <li>जीजी का कहना था कि कुछ पाने के लिए त्याग करना पड़ता है जबकि लेखक का मानना था कि इंदर सेना पर पानी फेंकना अंधविश्वास है।</li> <li>जीजी की सोच धर्म और लोक परंपराओं से अनुप्राणित जबकि लेखक आधुनिक और वैज्ञानिक।</li> <li>जीजी भावुक और कोमल हृदय थी जबकि लेखक व्यावहारिक और तार्किक।</li> </ul>	1+1+1=3
—	—	ग	—			<ul style="list-style-type: none"> <li>लोक कलाएं किसी भी देश की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि की सूचक।</li> <li>किसी भी राष्ट्र की विशिष्ट पहचान।</li> <li>जीवन में उत्साह उमंग और खुशी के रंग भर देती है।</li> </ul> <p>(अन्य तर्क भी स्वीकार्य।)</p>	1+1+1=3
—	—	घ	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>हास्य की नई दुनिया रची। चार्ली ने लोगों को अपने ऊपर हँसना सिखाया।</li> </ul>			

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	—	ड	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● चार्ली का जीवन संघर्षमय। कभी हार नहीं मानी।</li> <li>● परिस्थितियों का डट कर मुकाबला किया।</li> <li>● चार्ली हँसमुख, सुलझे हुए, करुण हृदय और आशावादी थे।</li> </ul> <p>(अन्य विशेषताएँ भी स्वीकार्य।)</p>	1+1+1=3
	—	—	12. क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● कालजयी अवधूत के समान मस्त, बेफ्रिक, अनासक्त जीवन।</li> <li>● विपरीत परिस्थितियों में भी हिम्मत न हारने, डट कर मुकाबला करने, और जीवन का आनंद लेने की प्रेरणा।</li> <li>● अपने अस्तित्व से दूसरों का जीवन सरल, सुगम और आनंदमय बनाएँ।</li> </ul> <p>(अन्य विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)</p>	3
	—	—		<ul style="list-style-type: none"> <li>● कन्या जननी की उपेक्षा और तिरस्कार, पुत्रवती माता अपना अधिकार समझती है।</li> <li>● भक्तिन ने एक के बाद एक तीन पुत्रियों को जन्म दिया।</li> <li>● अतः सास और जेठानियाँ मुँह बिचका कर उसकी उपेक्षा करती हैं।</li> </ul> <p>(अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य।)</p>	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
—	—	—	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आदर्श समाज में स्वतंत्रता और समता होनी चाहिए। यही भ्रातृता है।</li> <li>● समाज में सबको सम भाग प्राप्त हो।</li> <li>● किसी भी वांछित परिवर्तन का लाभ सभी को तुरंत मिलना चाहिए।</li> <li>● सभी को सामाजिक संघर्ष के साधन और अवसर सुलभ होने चाहिए।</li> <li>● भ्रातृता दूध-पानी के मिश्रण जैसी होनी चाहिए।</li> <li>● सभी लोगों में एक दूसरे के प्रति श्रद्धा, प्रेम और सम्मान का भाव होना चाहिए।</li> <li>● भ्रातृता द्वारा हर 'लोकतंत्र' की अवधारणा पूर्ण होगी।</li> <li>● सही अर्थों में लोकतंत्र की साधना भ्रातृता के पश्चात ही संभव।</li> </ul> <p>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)</p>	3
—	—	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विपरीत परिस्थितियों में जो संघर्ष करता है, जीवन रस से परिपूर्ण होता है, हर स्थिति में जड़ता का, मायूसी का परित्याग करता है वही गतिशील होता है।</li> <li>● भौतिक मोह-माया से अनासक्त असंपृक्त रह कर जो जीवन-पथ पर अग्रसर होता है, वे कभी जड़ नहीं हो सकते, निरंतर प्रगतिशील ही होंगे, उर्ध्वमुखी होंगे।</li> </ul>		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	—	—	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● मस्त, फक्कड़ और सरस शिरीष एवं गांधी जैसे लोग ही जड़ता का परित्याग कर गतिशील एवं जीवंत होते हैं।</li> </ul> <p>(अन्य बिंदु भी संभव।)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● एक ज़मीन, एक ज़बान, एक सी सूरतें और लिबास, एक सा अंदाज, गालियाँ भी एक सी होने के उपरांत भी भारत-पाक की जनता आरोपित भेदभावों को सहने के लिए विवश थी</li> </ul> <p>जबकि वास्तविकता यह थी कि मानचित्र पर बनावटी लकीर खींच देने से देश तो बँट गए किंतु भावनाएँ नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जनता पर थोपा गया विभाजन आरोपित तथा कृत्रिम है। प्यार किसी भी प्रकार का बंधन स्वीकार नहीं करता।</li> <li>● प्यार के सम्मुख कानून निष्प्रभावी होता है। भावनाएँ और प्यार राजीतिक निर्णयों को नकार देते हैं।</li> </ul> <p>(कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)</p>	3
	—	—	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● महामारी फैल जाने पर उससे निपटने की व्यवस्था का अभाव।</li> <li>● लोग मरने के लिए अभिशप्त। डॉक्टर, वैद्य, दवाओं आदि की कोई सहायता</li> </ul>	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
13.	13.	13.	13.	<p>नहीं।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ऐसे में एकमात्र सहारा पहलवान की ढोलक मरघटी सन्नाटे को तोड़ कर मरते समय भी उनमें जीवन शक्ति का संचार करती है।</li> </ul>	3
13.	13.	13.	13.	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बालक को जन्म देना या न देना महिलाओं का अधिकार।</li> <li>● उनका सम्मान सैनिकों की भाँति होना चाहिए।</li> <li>● उनके अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए।</li> <li>● महिलाओं ने अपनी ही नादानी के कारण उपेक्षा, कष्ट एवं असम्मान को सहन किया है।</li> <li>● शिक्षित समाज में स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से अच्छी है।</li> <li>● औरत ही मानव जाति की निरन्तरता बनाए रखती है।</li> <li>● नारी त्याग एवं ममता की मूर्ति है।</li> <li>● वह कर्मशील रह कर अपनी सन्तान के लिए सर्वस्व दाँव पर लगा देती है।</li> </ul> <p>(किन्हीं पाँच बिंदुओं की समीक्षा।)</p>	5
14.	14.			किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—	5+5=10

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
क	—	—	—	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सिंधु सभ्यता साधन-सम्पन्न थी।</li> <li>● सुनियोजित नगर।</li> <li>● पानी की अच्छी व्यवस्था।</li> <li>● सड़कें छोटी, चौड़ी लेकिन साफ-सुथरी।</li> <li>● ताँबे, कांसे एवं मृदा के बने कलात्मक बर्तन।</li> <li>● चौपड़ की गोटियाँ, ताँबे का दर्पण, कंधी, मनके का हार, सोने के गहने, सम्पन्नता सुरुचि के सूचक।</li> <li>● कृषि, अन्न भंडार, बैलों एवं बैलगाड़ी के अवशेष।</li> <li>● उनके मकान, गृहस्थी की सभी सुख-सुविधाओं से सम्पन्न स्वच्छ एवं सुरुचिपूर्ण, कलात्मक, सौंदर्यपूर्ण।</li> </ul> <p style="text-align: center;"><u>इतना सब होने के बाद भी</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भव्यता का, आडम्बर का, भव्य प्रासादों, मंदिरों का अभाव।</li> <li>● मूर्ति शिल्प हेतु और छोटे औजारों की उपलब्धता।</li> <li>● मकान छोटे-छोटे, कमरे भी छोटे-छोटे।</li> <li>● राजाओं के मुकुट भी छोटे।</li> <li>● नावें भी छोटी।</li> <li>● प्रभुता या दिखावे के उपकरण कहीं दिखाई नहीं देते।</li> </ul>	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	ख	क	ख	<p>अतः सभ्यता साधन-सम्पन्न, कलात्मक एवं सुरुचिपूर्ण तो थी लेकिन आडम्बरयुक्त नहीं।</p> <p>(कोई पाँच बिंदु अपेक्षित।)</p> <p><b>पक्ष—</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ग्रामीण एवं नगरीय परिवेश की तुलना करते समय बहुधा वे द्वंद्वात्मक मनःस्थिति के होते हैं।</li> <li>● नए और पुराने के बीच संतुलन नहीं बिठा पाने का संघर्ष।</li> <li>● उनके संस्कार और आदर्श वर्तमान शैली से मेल नहीं खाते।</li> </ul> <p><b>विपक्ष—</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● वे सिद्धांतवादी थे। सारा जीवन उन्हीं पर चलते रहे।</li> <li>● आधुनिक जीवन-शैली को अपने पर हावी नहीं होने देते।</li> <li>● उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला। समय के पाबंद रहें।</li> <li>● वे सादगी पसंद थे और जीवन भर उसका पालन भी किया।</li> <li>● पैसे को कभी महत्व नहीं दिया। ईमानदारी की कमाई से संतुष्ट रहे।</li> </ul>	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/	2/2/	2/3/		
	—	ख	—	<p>(पक्ष या विपक्ष किसी एक का तर्क सम्मत उत्तर अपेक्षित। अन्य बिंदु भी संभव।)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जूझ अर्थात संघर्ष</li> <li>● जीवन में प्रत्येक उपलब्धि नायक को जूझने के बाद ही मिली।</li> <li>● नायक का पाठशाला जाने का संघर्ष।</li> <li>● कक्षा में छात्रों के साथ सामंजस्य बिठाने का संघर्ष।</li> <li>● कविता लेखन हेतु संघर्ष।</li> <li>● पिता द्वारा खेतों आदि के काम में झोंक दिए जाने पर अध्ययन करने हेतु संघर्ष।</li> </ul> <p>(अन्य विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)</p>	5
	—	—	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सरल, सादगी पसन्द, सत्यवादी, सन्तुष्ट, ईमानदार।</li> <li>● कर्मठ, समय के पाबन्द, कार्यालय के अन्य साथियों से अच्छे सम्बन्ध।</li> <li>● परम्परावादी, पुराने जीवन-मूल्यों में विश्वास करने वाले, धार्मिक मनोवृत्ति वाले।</li> <li>● आधुनिक जीवन-शैली एवं परिवेश में समायोजित नहीं हो पाते।</li> <li>● आधुनिक चकाचौंध से अप्रभावित।</li> </ul> <p>(अन्य विचार बिंदु भी संभव।)</p>	5

